6). सांकेतिक भाषा → जिन संकेतो द्वारा बच्चे या मूक बधिर अपनी बात को दूसरो को समझाते है, वे सांकेतिक भाषा कहलाती है।

दूसरे शब्दो में — जब संकेतो (इशारो) द्वारा बात समझायी और समझी जाती है, तब वह सांकेतिक भाषा कहलाती है।

जैसे - चौराहे पर खड़ा यातायात नियन्त्रित करता सिपाही, मूक - बधिर व्यक्तियो कि वार्तालाप आदि।

इसका अध्ययन व्याकरण में नही किया जा

1. मौखिक भाषा → जिस ध्वनि का उच्चारण करके या बोलकर हम अपनी बात दूसरों को समझाते हैं, उसे मौखिक भाषा कहते हैं। उदाहरण - टेलीफोन, दूरदर्शन, भाषण, वार्तालाप, नाटक, रेडियो आदि।

विद्यालय में प्रायः विचार प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है, इस प्रतियोगिता में वक्ता। बालक अपने विचारों को प्रकट करता है तथा श्रोता सुनकर उसके विचारों से अवगत होता है। यह भाषा का मौखिक रूप है।
इसमें वक्ता बोलकर अपनी बात कहता है व श्रोता सुनकर उसकी बात को समझता है।
यह भाषा का प्राचीनतम रूप है। मनुष्य ने पहले बोलना सीखा।
इस रूप का प्रयोग व्यापक स्तर पर होता है।

(2.). लिखित भाषा → भाषा का वह रूप जिसमें एक व्यक्ति अपने विचार या मन के भाव को लिखकर प्रकट करता है तथा दूसरा व्यक्ति पढ़कर उसकी बात को समझता है लिखित भाषा कहलाती है।

अन्य शब्दों में - जिन आकारों या चिह्नों की सहायता से हम अपने मन के विचारों को लिखकर प्रकट करते हैं, उसे लिखित भाषा कहते हैं।
उदाहरण - पत्र, समाचारपत्र, कहानी, जीवनी संस्मरण, पत्रिका व और.

भाषा होने के कारण ग्रियर्सन ने इसे 'अन्तर्वेदी' नाम दिया इसके अन्य नाम हैं – ब्रिज, ब्रिजकी, भाषा मणि- माधुरी एवं नाग भाषा आ

ब्रजभाषा के क्षेत्र → मथुरा, अलीगढ़, आगरा, हाथरस फिरोजाबाद, बुलन्दशहर, एटा, बदायूँ मैनपुरी, बरेली आदि ब्रजभाषा के क्षेत्र हैं

हरियाणवी – इसका अन्य नाम 'बांगरू' है। हरियाणवी का विकास उत्तरी शौरसेनी अपभ्रंश से हुआ है। कुछ लोग इसे 'हरियानी' या हरियाणी कुछ देश भाषा के नाते 'देसाणी' भी कहते रोहतक व दिल्ली के जाटो के नाम पर म जाटू तथा बांगर प्रदेश के सम्बन्ध होने के कारण यह 'बांगरू' कहलाती है।

हरियाणवी भाषा के क्षेत्र → हरियाणा, तथा दिल्ली के देहाती भ करनाल, रोहतक, हिसार, पटियाला, जीं नाभा आदि।

बुंदेली → इसका विकास भी शौरसेनी अपभ्रंश से हुआ है। यह बुन्देल राजपूतो के क्षेत्र बुन्देलखण्ड में बोली जाती है।

बुन्देली भाषा का क्षेत्र →

यह उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित झाँसी, हमीरपुर, जालौन, टीकमगढ़, ग्वालियर, सागर, होशंगाबाद के आस-पास बुंदेल बुन्देली भाषा के क्षेत्र है। इसमें लोक साहित्य भी प्रचुर है। यह भी माना जाता है कि प्रसिद्ध लोकग्रन्थ आल्हा ऊदल बुन्देली [illegible] बनाफरी में लिखे गये हैं।

कन्नौजी भाषा के क्षेत्र →

यह इटावा, फर्रुखाबाद, शाहज[illegible] कानपुर, हरदोई जिले हैं।

अवधी - कुछ विद्वान इसे "कोसली" व "बैसवाड़ी" बोली भी कहते हैं इस बोली का केन्द्र अयो[illegible] है। अयोध्या का विकसित रूप अवधी [illegible]

अवधी भाषा के क्षेत्र - लखनऊ, इलाहाबाद, फतेह[illegible] मिर्जापुर, रायबरेली, सीतापुर, उ[illegible] गोंडा, बस्ती, सुल्तानपुर व बारा[illegible]

सांकेतिक भाषा → जिन संकेतों द्वारा बच्चे या मूक बधिर अपनी बात को दूसरों को समझाते हैं, वे सांकेतिक भाषा कहलाती है।

दूसरे शब्दों में — जब संकेतों (इशारों) द्वारा बात समझायी और समझी जाती है, तब वह सांकेतिक भाषा कहलाती है।

जैसे - चौराहे पर खड़ा यातायात नियन्त्रित करता सिपाही, मूक - बधिर व्यक्तियों कि वार्तालाप आदि।

इसका अध्ययन व्याकरण में नहीं किया जाता

भाषा के क्षेत्र (हिन्दी) हिन्दी भाषा का क्षेत्र हिमाचल प्रदेश, पंजाब का कुछ भाग, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, मध्यप्रदेश तथा बिहार के आस पास का क्षेत्र है। जिसे हिन्दी भाषी प्रदेश कहते है। इसे पूरे हिन्दी प्रदेश में हिन्दी की पाँच उपभाषाए और इनके अन्तर्गत 17 बोलियों का उल्लेख है।

• पश्चिमी हिन्दी – (खड़ी बोली)।
इसका दूसरा नाम 'कौरवी' है कुछ लोग इसे हिन्दुस्तानी 'नागरी' हिन्दी एवं 'सरहिन्दी' नाम से पुकारा जाता है। इसका उद्भव शौरसेनी अपभ्रंश के उत्तरी रूप से हुआ है

खड़ी बोली के क्षेत्र → देहरादून के मैदानी भाग, सहारन मुजफ्फरनगर, मेरठ, दिल्ली के कुछ बिजनौर, रामपुर व मुरादाबाद है।

ब्रजभाषा → ब्रजप्रदेश की भाषा को ब्रजभाषा क जाता है। प्राचीन में ब्रज शब्द का प्रयोग पशुओं या गौओं का समूह य चारागाह के लिए होता था। इसका शौरसेनी अपभ्रंश के मध्यवर्ती से हुआ है। गंगा-यमुना के मध

है। ये तर्कहीन प्रयोग है।.

(3). भाषा यादृच्छिक संकेत है। यहाँ शब्द और अर्थ में कोई संगत सम्बन्ध नहीं रहता है। बिल्ली, कौआ, घोड़ा क्यों पुकारा जाता है यह बताना कठिन है। इनको इसी समाज ने स्वीकार कर लिया इसके पीछे कोई तर्क नहीं।

प्रत्येक देश की अपनी होती है। हमारी राष्ट्रभाषा हिन्दी है। संसार में अनेक ए है। - जैसी - हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी, बंगला - चीनी, जर्मन आदि।

भाषा के प्रकार

भाषा के तीन रूप होते है।

(1) मौखिक भाषा

(2) लिखित भाषा

(3). सांकेतिक भाषा.